राजस्थान सरकार

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

RSCERT Udaipur

हवामहल

बच्चों का झरोखा

05 अगस्त 2023: शनिवार: वर्ष – 04: अंक – 16

इब्नबतूता

आज की कविता

इब्नबतूता अपना जूता पहनकर देश विदेश की सैर करते हुए घूम रहे हैं। क्या हुआ जब रास्ते में इब्नबतूता को तूफान मिल गया? क्या उनका करामाती जूता उन्हें बचाएगा या वह भी साथ छोड़ जाएगा? जानने के लिए सुनते हैं ये मजेदार कविता। कविता सुनने के लिए इस चित्र पर क्लिक करें ।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। BookBox

फुसफुसाते ताड़

आज की कहानी

मोरी और उसका परिवार तालाब से मछलियाँ पकड़ कर अपना गुजारा कर रहा था। वे खूब सारी मछलियाँ पकड़ते और बाजार में बेचते। लेकिन एक रोज़ दोपहर में मोरी की माँ जब ताड़ के पेड़ों के नीचे सो रही थी तो ताड़ से आ रही हवाओं ने कुछ खुसपुसाया । उसके बाद जो हुआ उसे जानने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। BookBox

मैं हूँ बजरबट्टू!

आज की किताब

क्या आपने कभी सोचा है कि बजरबट्टू दिनभर करते क्या हैं? आइए जानें एक बजरबट्टू से, जो किसानों को खेतों में चावल उगाते देखता है। अनोखा जीवन है इसका, जिसमें कुछ मनोरंजक पल भी हैं। आइए पढ़ते हैं बजरबट्टू की मजेदार कहानी। पूरी कहानी पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Room To Read

आसान टेलिस्कोप

आज की गतिविधि

टेलिस्कोप बहुत ही रोचक उपकरण है। दूर की वस्तुएं देखने के लिए यह एक बहुत ही कारगर तकनीक है। टेलिस्कोप बड़े मंहगे आते हैं। लेकिन आप एक सस्ता और सरल टेलिस्कोप बना सकते हैं। गत्ते की नलियाँ और दो लेंस की मदद से आप आसान टेलिस्कोप बना सकते हैं। विधि देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindguptatoys

अक्षांश और देशान्तर की बातें

टीचर्स कॉर्नर

भूगोल विषय में जितना प्रत्यक्ष देखने जानने समझने का मसला है उतनी ही अमूर्त अवधारणाएं भी हैं। पृथ्वी के गोल होने को ग्लोब में देखना और उसकी कल्पना करके अमूर्त रेखाओं के संजाल को समझना और समझाना दोनों चुनौतीपूर्ण हैं। अपने कक्षा अनुभव से इसके बारे में बता रहे हैं मुकेश मालवीय। पढ़ने के लिए क्लिक करें।

शिक्षकों के लिए। pathshala

घुड़सवार

हमारा पुस्तकालय

उदयन वाजपेयी की लिखी कहानियों और निबंधों का संकलन है 'घुड़सवार'। इन निबंधों के विषय नये हैं और रचना-पद्धति भी नयी है। ये विषय हैं- देखना,सुनना,स्पर्श,गन्ध और स्वाद यानी पाँचों ज्ञानेन्द्रियाँ और उनके कार्य-व्यापार। साहित्यकार अरुण कमल ने इसकी समीक्षा लिखी है। पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

शिक्षकों के लिए। Parag

#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 171वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोडिए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।